

*napis ramosa* Roxb. H. an. MED. und *VIÇVA* im ÇKDR. = प्रियङ्गु H. an. und *VIÇVA*. — 4) f. कर्तु N. einer Pflanze (लता), = कर्तु, कर्तुका, कर्तुकवल्ली, काष्ठवह्निका, पशुमेहनिका, सुकाष्ठा, सुवल्ली RĀGĀN. im ÇKDR. Suçr. 1, 163, 2. 2, 281, 4.

कर्तुक (von कर्तु) 1) adj. f. झा *scharf, bissend* RV. 10, 85, 34. MBh. 13, 4706. 5708. 14, 1230. Suçr. 1, 19, 15. 31, 14. 34, 11. 73, 6. 148, 13. 150, 2. 199, 13. 14. यो जिह्वायं वाधते उद्वेगं जनयति शिरो गृह्णीति नासिकां च स्रावयति स कर्तुकः (रसः) 133, 4. KATHĀS. 11, 23. Ind. St. 2, 262. Śih. D. 2, 3. गन्धः — कर्तुकान्वयः R. 3, 16, 7. *herb*, von Worten u. s. w.: परुषं ये न भाषते कर्तुकं निष्ठुरं तथा MBh. 13, 6645. कर्तुकान्यभ्यायताम् 2, 2688. 3, 1041. कर्तुकभाषिन् 1648. कर्तुकवाच् adj. 13, 2197. एतच्चान्यच्च कौर्व्य प्रसङ्गिकृतोदयम् । घृते ब्रूयाम् 3, 606. प्रेत्य स्यात्कर्तुकोदयम् 13, 4437. *heiss*, vom Kampfe u. s. w.: संप्रहारस्तुमलः कर्तुकः R. 3, 33, 11. ततः प्रावर्तत पुनः संप्रामकर्तुकोदयः । रामरावणसैन्यानाम् MBh. 3, 16436. Als subst. *Schärfe, Herbe*: सकर्तुकं वचः 2, 1551. — 2) m. a) N. verschiedener Pflanzen: *Trichosanthes dioeca* Roxb. (पेटोल) RĀGĀN. im ÇKDR. *ein wohlriechendes Gras* ÇABDAR. im ÇKDR. *Calotropis gigantea* (मर्क) und *Wrightia antidysenterica* (कर्तु) ÇABDAR. im ÇKDR. *Sinapis dichotoma* oder *ramosa* Roxb. (राजसर्षप) HĀR. 181. — b) N. pr. eines Mannes *gaṇa* यस्कादि zu P. 2, 4, 63. कर्तुकवाधूलयोः *gaṇa* कार्तकौत्रपादि zu P. 6, 2, 37. — 3) f. कर्तुका N. verschiedener Pflanzen: = कर्तु and कर्तुरोहिणी MED. k. 56. RĀGĀN. im ÇKDR. Suçr. 2, 24, 3. 33, 5. 116, 7. 132, 3. *Areca Fausel* oder *Catechu* (ताम्बूली) ÇABDAR. im ÇKDR. *Ruellia longifolia* (कुलिकवृत्त) RATNAM. im ÇKDR. Name eines Baumes mit wohlriechender Frucht: ज्ञातीकर्तुकायोः पलम् Suçr. 1, 215, 5. 2, 208, 1. — 4) f. कर्तुकी = कर्तुरोहिणी ÇABDAR. im ÇKDR. — 5) n. a) कर्तुक (*Schärfe, Herbe*) am Ende eines comp. einen Tadel ausdrückend P. 6, 2, 126. दधिकर्तुकम् Sch. — b) = कर्तुरोहिणी H. an. 3, 15. — c) = व्योष (s. कर्तुत्रिक) H. an. MED.

कर्तुकत्रय (कर् + त्रय) n. = कर्तुत्रय Suçr. 2, 328, 20.

कर्तुकल (von कर्तु) n. *Schärfe* Suçr. 1, 154, 13.

कर्तुकन्द (कर्तु *scharf* + कन्द *Knolle*) m. 1) *Ingwer*. — 2) *Knoblauch* TRIK. 3, 3, 204. H. an. 4, 133. MED. d. 46. — 3) *Hyperanthera Moringu* (शियु, शोभाञ्जन) H. an. MED.

कर्तुकपल (कर् + प) n. = कर्तुकालक RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुकमलिन (कर् + म) m. N. pr. eines Mannes PRAVARIBH. in Verz. d. B. H. 58 (कर्तुक).

कर्तुकरञ्ज (कर्तु + कर) m. *Guilandina Bonducella* Lin. MOLESW. — Vgl. कर्तुकरा.

कर्तुरोहिणी f. = कर्तुरोहिणी Suçr. 2, 94, 2. 130, 3.

कर्तुकवल्ली (कर् + व) f. = कर्तु RĀGĀN. im ÇKDR. u. कर्तु.

कर्तुकालानु (कर् + मलानु) m. eine Gurkenart, *Trichosanthes dioeca* Roxb., RATNAM. im ÇKDR. Suçr. 1, 370, 10.

कर्तुकीट (कर् + की) m. *Mücke* WILS. Auch कर्तुक ÚĀṬĀDH. im ÇKDR.

कर्तुक्वाण (कर्तु *scharf, durchdringend* + क्वाण *Geschrei*) m. eine best. Huhnart, *Parra Jacana* oder *goensis* H. 1330.

कर्तुमन्थि (कर्तु + मन्थ) n. 1) *getrockneter Ingwer*. — 2) *die Wurzel von langem Pfeffer* RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुङ्कता f. *rauhes Wesen* (नित्यकर्मसमाचारनिष्ठुरत्व) HĀR. 33. Theil. II.

कर्तुचातुर्जातक (कर्तु + चा) n. *Aggregat von vier scharfen Stoffen: Kardamomen, die Rinde und die Blätter der Laurus Cassia und schwarzer Pfeffer* RĀGĀN. im ÇKDR. — Vgl. कर्तुत्रिक.

कर्तुच्छर (कर्तु + छर *Blatt*) m. N. eines Baumes (s. तगर) ÇABDAR. im ÇKDR.

कर्तुञ्ज (कर्तु + ज) adj. *aus scharfen Stoffen bereitet, von einem Getränk* MBh. 2, 2138.

कर्तुतिक्तक (कर्तु + ति) 1) m. N. zweier Pflanzen: *Gentiana Cherayta* Roxb. (भूनिम्ब) RĀGĀN. im ÇKDR. *Cannabis sativa* Lin. (शण) VAIDJ. im ÇKDR. — 2) f. कर्तु N. einer Pflanze (कर्तुम्बी) ÇABDAR. im ÇKDR.

कर्तुत्पिडका und कर्तुत्पिडी f. N. einer Pflanze, = तिक्तुत्पिडी, vulg. कर्तुतराई RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुत्पुष्पी (कर्तु + तु) f. eine Gurkenart AK. 2, 4, 5, 21. Suçr. 2, 70, 20. 175, 1.

कर्तुत्रय (कर्तु + त्रय) n. *Aggregat von drei scharfen Stoffen: Ingwer, schwarzer Pfeffer und langer Pfeffer* RĀGĀN. im ÇKDR. कर्तुत्रिक n. dass. Suçr. 2, 273, 9. 276, 21. 281, 2. 415, 3. 449, 9.

कर्तुदला (von कर्तु + दल) f. N. einer Pflanze, = कर्कटी, vulg. कौकुट RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुनिष्प्राव (कर्तु? + नि) m. *unberieseltes Korn* RĀGĀN. im ÇKDR. (निष्प्राव und in der Erkl. *nदीनिष्प्रावधान्य*; die richtige Form giebt WILSON).

कर्तुपत्र (कर्तु + पत्र) m. Name zweier Pflanzen: *Oldenlandia biflora* (पर्यट) und = सितार्क (hind. *सेता जवल*) RĀGĀN. im ÇKDR. कर्तुपत्रक unter सितार्क im ÇKDR.

कर्तुपत्रिका (wie eben) f. N. eines Baumes, = कारी RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुपाक (कर्तु + पाक) adj. *bet der Verdauung Schärfe entwickelnd* Suçr. 1, 182, 20. 2, 45, 19. कर्तुपाकिन् dass. 1, 185, 14. 192, 12. — Vgl. कर्तुविपाक.

कर्तुपाल (कर्तु + पाल) m. *Trichosanthes dioeca* Roxb. (पेटोल) RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुवद्री (कर्तु + व) f. N. einer Pflanze und eines darnach benannten Dorfes: कर्तुवद्री घहरभवे ग्रामः कर्तुवद्रीति P. 1, 2, 51, Sch.

कर्तुभङ्ग (कर्तु + भङ्ग) m. *trockener Ingwer* TRIK. 2, 9, 10.

कर्तुभद्र (कर्तु + भद्र) n. dass. RĀGĀN. im ÇKDR. nach Andern *schlechtweg Ingwer* ÇKDR.

कर्तुमञ्जरिका (कर्तु + म) f. *Achyranthes aspera* (अपामार्ग) RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुमोद (कर्तु + मोद) n. *ein best. Parfum* (जवादिनाम सुगन्धिद्रव्यम्) RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तु n. *mit Wasser gemischte Buttermilch* (s. तक्र) ÚĀṬĀDH. im ÇKDR. — Vgl. कङ्कर, कञ्जर, कटुर, कदर, कदर.

कर्तुव (कर्तु + रव) m. *Frosch* RĀGĀN. im ÇKDR.

कर्तुरोहिणी (कर्तु + रो) f. N. einer Pflanze AK. 2, 4, 3, 4. *schwarze Niesswurz, Helleborus niger* Lin., AINSLE I, 164. MOLESW. Suçr. 1, 132, 20. 133, 2. 140, 5. 142, 4. 2, 63, 1. 78, 12. 415, 3.

कर्तुवार्ताकी (कर्तु + वा) f. N. einer *Solanacee* (सैतकएटकारी) RĀGĀN. im ÇKDR.